कनाडा और अमरीका में पढ़ सकेंगे एपीजे आई.एम.ई.टी.सी. के स्टूडैंट्स : डा. राजेश बग्गा

● एपीजे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग टैक्नीकल कैंपस ने स्टूडैंट्स के लिए पेश किए नए कोर्स

जालंधर, 31 जुलाई (रोहित सिद्धू) : एपीजे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग टैक्नीकल कैंपस राय मंडी लिड वेन्चर्स में एक जाना-माना नाम है। यहां पर विद्यार्थियों को न केवल अकादमिक पर काम कराया जाता है, बल्कि उनको स्किल डिवैल्पमैंट को प्राथमिकता दी जाती है जिससे कि वो इंडस्ट्री रेडी बन सकें।

डायरैक्टर डा. राजेश बग्गा

ए.आई.एम.ई.टी.सी. के डायरैक्टर राजेश बग्गा ने बताया कि आज के इस टैक्नोलॉजी ड्रिवन युग में जहां पर हम टैक्नोलॉजी के बिना खुद को असहाय महसूस करते हैं, ए.आई.एम.ई.टी.सी. ने विद्यार्थियों के लिए नए कोर्स शुरू किए हैं। जोकि उन्हें आने वाले समय में सफलतापूर्वक कार्पोरेट जगत में अपनी छाप छोड़ने में मददगार साबित होंगे।

डायरैक्टर डा. राजेश बग्गा ने बी.टैक. के संदर्भ में जानकारी देते हुए नए कोर्स के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बी.टैक. सी.एस.ई. में नई स्पैशलाइजेशन को 2020 में इंट्रोड्यूस किया गया है। ए.आई.एम.ई.टी.सी. पंजाब के उन कुछ चुनिंदा संस्थानों में से एक है, जो कि ये कोर्स ऑफर कर रहे हैं। बी.टैक. सी.एस.ई. (आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस एंड मशीन लर्निंग) और बी.टैक सी.एस.ई.

● बी.टैक. सी.एस.ई. (आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस एंड मशीन लर्निंग) और बी.टैक. सी.एस.ई. (इंटरनैट ऑफ थिंग्स एंड साइबर सिक्योरिटी इंक्लूडिंग ब्लॉकचैन टैक्नोलॉजी)

● स्टूडैंट्स को मिलेगी अच्छी प्लेसमैंट, कार्पोरेट वर्ल्ड में छप छोड़ सकेंगे स्टूडैंट्स

(इंटरनैट ऑफ थिंग्स एंड साइबर सिक्योरिटी इंक्लूडिंग ब्लॉकचैन टैक्नोलॉजी) दो नई स्पैशलाइजेशन में यूनिवर्सिटी में 60 सीट का इंटेक आरंभ किया है। इन कोर्स को दूरदर्शिता को एनेलिसिस करते हुए डा. बग्गा ने बताया कि आई.ओ.टी.-इंटरनैट ऑफ थिंग्स जैसी स्पैशलाइजेशन को और करके छात्र खुद को इतना सक्षम बना लेंगे कि आने वाले समय में वो विभिन्न इंडस्ट्रीज में अपने कैरियर की शुरुआत करके एक अच्छे स्तर पर खुद को स्थापित करेंगे।

आई.ओ.टी. और आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस छात्रों को स्मार्ट सिक्योरिटी सोल्यूशन स्मार्ट सिटीज और स्मार्ट होम आटोमेशन और स्मार्ट हैल्थ केयर जैसे इंडस्ट्रीज में नौकरी दिलवाने में सहायक होंगे। साइबर सिक्योरिटी छात्रों को साइबर क्रिमिनैलिटी टैक्नीक सिखाएंगे जोकि उनको पैनेट्रेटिव इंफ्रास्ट्रेक्चर को अनऑथोराइज्ड आर्डर से बचाएंगे।

राय मंडी स्थित एपीजे ए.आई.एम.ई.टी.सी. की बिल्डिंग।

पोस्ट बीजुएशन : अमरीका में एम.बी.ए. का मौका

पोस्ट बैजुएशन में नए कोर्स की जानकारी देते हुए डा. बग्गा ने बताया कि रैगुलर एम.बी.ए. के साथ-साथ एक नया कोर्स 1+1 एम.बी.ए. प्रोग्राम भी शुरू किया जा रहा है। जोकि नौर्थ कैरोलाइना यूनिवर्सिटी यू.एस.ए. के साथ एसोसिएटेड है। ए.आई.एम.ई.सी.टी. के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है क्योंकि यह पूरे भारत में सिर्फ 3 इंस्टीच्यूट्स ही है। जो इस कोर्स को ऑफर कर रहे हैं। एपीजे इंस्टीच्यूट उनमें से एक है। 1+1 एम.बी.ए. प्रोग्राम के तहत छात्र एक साल एपीजे और एक साल यू.एस.ए. में पढ़ेंगे। ये ए.ए.सी.एस.बी. एक्रीडेटिड एम.बी.ए. प्रोग्राम विद्यार्थियों के लिए बहुत बढ़िया प्लेसमैंट ऑपर्चुनिटी का प्लेटफार्म देगा। यूनिवर्सिटी में जॉब फैयर्स और इंटरव्यू ट्रेनिंग भी प्रोवाइड की जाएगी। जोकि छात्रों को एक अच्छा पैकेज पाने में मददगार साबित होगा। रैगुलर मैनेजमैंट एडमिशन कौंसिल (जी.एम.ए.सी.) के अनुसार एक एम.बी.ए. डीग्री मैडल स्टार्टिंग सैलरी 1, 10 लाख डालर यानि भारतीय मुद्रा में 77 लाख रुपए रह चुकी है। इसके अलावा इस प्रोग्राम के कंपलीट होने पर छात्रों को इंटरनैशनल की तरफ से वर्क वीजा (तक से तीन साल) भी दिया जाएगा।

बाकि चैन डिवैल्पमैंट छात्रों को अलग-अलग एप्लीकेशन जैसे कि हैल्थकेयर, ट्रांसपोर्ट, रिटेल और हैल्थकेयर सैक्टर में कैरियर शुरू करने में यह टैक्नोलॉजी बहुत मददगार साबित होगी।

बी.बी.ए. : दो साल कनाडा में होगी स्टडी : बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बी.सी.ए.) की जानकारी देते हुए डा. बग्गा ने नए कोर्स बी.सी.ए.आई.एस.-बैचलर ऑफ कम्प्यूटर इंफार्मेशन सिस्टम के बारे में बताया। बी.सी.आई.एस. (अंडर 2+2 प्रोग्राम)- एक ऐसा कोर्स है जोकि यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रैसरवैली कनाडा अंडर चार-से प्रोग्राम ऑफ आई.के.जी.पी.टी.यू. कपूरथला से संचालित है। इस कोर्स का एलीजिबिलिटी क्राइटीरिया -10वीं और 12वीं में 65 परसैंट नंबर मैथ्स के साथ चाहिए। इस कोर्स में दाखिला लेने वाले छात्रों को दो साल ए.आई.एम.ई.टी.सी. और दो साल यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रैसरवैली कनाडा में पढ़ने का मौका मिलेगा।

ए.आई.एम.ई.टी.सी. ने इस कोर्स का चयन उन विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए किया है जोकि कनाडा जाकर पढ़ने की इच्छा रखते हैं। इसी प्रकार ए.आई.एम.ई.टी.सी. ने छात्रों के लिए विदेश में करियर ऑपर्चुनिटी देखते हुए एक और नए कोर्स बी.बी.ए. (2+2) बैचलर इन बिजनैस एडमिनिस्ट्रेशन पार्टनरशिप यूनिवर्सिटी कनाडा अंडर चार-से प्रोग्राम के साथ शुरू किया है। जोकि दो साल एपीजे और दो साल साईमन कनाडा में पढ़ेंगे।

प्लेसमैंट में रहा हमेशा सुर्खियों में ए.आई.एम.ई.टी.सी.

ए.आई.एम.ई.टी.सी. जोकि हमेशा से अपनी शानदार प्लेसमैंट के लिए सुर्खियों में रहा है इस बार भी अपने प्लेसमैंट रिकॉर्ड के बनाने में सफल रहा है। अकादमिक सैशन 2019-2020 में कुल 50 से ज्यादा कंपनियों ने कैंपस विजिट किया जिसमें 80-85 परसैंट प्लेसमैंट हर साल होती है। सबसे पैकेज 10 लाख का साइनअप ने ऑफर किया है। तकरीबन एम.बी.ए. और एम.बी.ए. में डिफिन सैक्टर जैसे-एफ.एम.सी.जी., बैंकिंग, रिटेलिंग, एडवरटाइजिंग कॉमर्स, इंफॉरमेशन टैक्नोलॉजी, टैलीकम्यूनिकेशन और फार्मा स्यूटीकल हर साल कम्पनीज कैंपस विजिट करती हैं और स्टूडैंट्स को चयन करती है। कुछ प्रोमीनैंट कंपनीज इस बाइयर आई.सी.आई.सी.आई., जायो एजुकेशन, कर्मर पैट्स, एम.आर.एफ., एच.डी.एफ.सी. बैंक, आई.सी.आई.सी.आई. सिक्योरिटीज, विप्रो, आई.बी.एम., स्मार्ट डाटा और इंफोसिस शामिल है। डायरैक्टर डा. राजेश बग्गा ने कहा कि बदलते समय के साथ एजुकेशनल सैक्टर और स्टाइल में बदलाव लाने बहुत जरूरी है। छात्रों में सिलेबस कैंपलमैंट के साथ-साथ उन्हें इंडस्ट्री रेडी बनाने के लिए एपीजे आई.एम.टी.सी. अपने छात्रों पर जी जान से मेहनत करता है जिसके लिए ई.डी.पी. बहुत अहम भूमिका निभाता है। ई.डी.पी. में छात्रों को अलग-अलग प्रैक्टिकल दिए जाते हैं। इंस्टीच्यूट में प्लेसमैंट प्रोसैस के बीच सैशन भी कराए जाते हैं जिससे कि स्टूडैंट्स प्लेसमैंट के लिए अच्छी तरह तैयार और ज्यादा आत्मविश्वासी बनते हैं।

Dainik Savera 01August 2020

10:48 am ✓